दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 28 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 121

महत्वपूर्ण एवं खास

असम राइफल्स ने 48 किलो गांजा जब्त किया, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम राइफल्स ने असम के करीमगंज जिले में गांजे की एक बड़ी खेप जब्त की है। असम राइफल्स द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, करीमगंज के राताबाड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रोंगपुर इलाके से गुरुवार रात जब्ती की गई। एक अधिकारी ने कहा कि जब्त नशीले पदार्थों का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 19 लाख रु होगा। असम राइफल्स की राधानगर बटालियन ने उस इलाके में पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया और कम से कम 48 किलो गांजा बरामद किया। एक व्यक्ति तस्करी के आरोप में भी पकड़ा गया है।

राहुल गांधी के काफिले में घुसे कई लोग, सुरक्षा कारणों से रोकी गई भारत जोड़ो यात्रा

रामबन (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल में रोक दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है कि यात्रा को घाटी जाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिल रही है। राहुल गांधी यात्रा को छोड़कर खन्नाबल अनंतनाग को रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि राहुल की सुरक्षा घेरे में कई लोग घुस आए थे, जिसके बाद भारत जोड़ो यात्रा को रोक दिया गया। शुक्रवार को इस यात्रा में नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला शामिल हुए थे। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार सुबह 9 बजे शुरू हुई थी। यात्रा रामबन से अनंतनाग जानी थी, लेकिन इसे काजीगुंड में ही रोक दिया गया। जम्मू कश्मीर की कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने ट्वीट में कहा कि प्रशासन भारत जोड़ो यात्रा को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहा। सुरक्षा में चूक यूटी प्रशासन के अनुचित रवैये को दर्शाती है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जम्मू कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा की सुरक्षा पुख्ता नहीं की जा रही है।

सड़क हादसे में सगे भाई की मौत

हरगांव(सीतापुर) (आरएनएस)। स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत शाम हुए सडक़ हादसे में बाइक सवार दो सगे भाईयों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ननिहाल ग्राम राही में रह रहे संजय 27 वर्ष अपने छोटे भाई गोलू 23 के साथ बाइक पर सवार हो अपने पैतृक गांव सिजौला जा रहे थे। तभी रास्ते में कस्बे में तीर्थ रोड पर उनकी बाइक ट्रक की चपेट में आ गई जिससे दोनो की मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने जगदलपुर में अमर जवानों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जिला मुख्यालय जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में आयोजित मुख्य समारोह के पश्चात सिरहासार भवन के नजदीक स्थित शहीद स्मारक में शहीद अमर जवानों, महात्मा गांधी और झाड़ा सिरहा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सांसद दीपक बैज, राज्यसभा सांसद श्रीमती फूलोंदेवी नेताम, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, सभापति श्रीमती कविता साहू, कमिश्नर श्याम धावड़े, पुलिस महानिरीक्षक पी. सुन्दरराज, कलेक्टर चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मीणा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री बजट की तैयारियों की कर रहे समीक्षा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं खेल मंत्री उमेश पटेल के नेतृत्व में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में संस्कृति विभाग द्वारा 28 जनवरी से 30 जनवरी तक 3 दिवसीय छत्तीसगढ़ लोक साहित्य सम्मेलन का आयोजन भी होगा। पहले दिन 28 जनवरी को शासकीय नार्गाजुन स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऑडिटोरियम में दोपहर 1.00 बजे से 6.00 बजे तक छत्तीसगढ़ लोक साहित्य के उन्नयन में युवाओं की भूमिका और छत्तीसगढ़ के आंचलिक साहित्य में युवाओं की भूमिका, दूसरे दिन 29 जनवरी को 11.00 बजे से 6.00 बजे छत्तीसगढ़ साहित्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अंतिम दिन 30 जनवरी को सुबह 9.00 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक कहानी रचनापाठ तथा कविता पाठ विषय पर लोक साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

479 कलाकारों ने भरा गणतंत्र दिवस परेड में रंग, अधिकांश झांकियों का शीर्षक 'नारी शक्ति'

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आई विभिन्न झांकियों में से अधिकांश का शीर्षक इस वर्ष 'नारी शक्ति' रहा। वंदे भारतम नृत्य प्रतियोगिता के माध्यम से चुने गए 479 कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर गणतंत्र दिवस परेड में रंग भर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का विषय 326 महिला नर्तकियों द्वारा प्रस्तुत 'नारी शक्ति' रहा, जो 17 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के 153 पुरुष नर्तकों द्वारा समर्थित था। वे पांच तत्वों पृथ्वी, जल, वायु, अंतरिक्ष और अग्नि के माध्यम से 'नारी की शक्ति' का चित्रण करते हुए शास्त्रीय, लोक और समकालीन संलयन नृत्य प्रस्तुत करते दिखे। यह दूसरी बार है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के नर्तकों का चयन राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया है।

देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक प्रगति और मजबूत आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को दर्शाती तेईस झांकियां राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से 17 और विभिन्न मंत्रालयों से छह झांकियां भी कर्तव्य पथ पर आई।

आंध्र प्रदेश ने अपनी झांकी में प्रभाला तीर्थम मकर संक्रांति के दौरान किसानों के त्योहार को दर्शाया। असम ने अपनी झांकी में नायकों और अध्यात्मवाद की भूमि को कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित किया। लद्दाख झांकी वहां के पर्यटन और समग्र संस्कृति पर आधारित रही। उत्तराखंड की झांकी में अल्मोड़ा के निकट स्थित जागेश्वर धाम के मंदिर गढ़वाल कुमाऊं व मानसखंड को दिखाया गया।

त्रिपुरा की झांकी में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के साथ त्रिपुरा में पर्यटन और जैविक खेती के माध्यम से सतत आजीविका को दिखाया गया। गुजरात की झांकी भी बेहद खूबसूरत थी, झांकी का मुख गुजरात की पारंपरिक वेशभूषा वाली एक महिला से सुसज्जित था। इसके साथ ही इसमें गुजरात की स्वच्छ हरित ऊर्जा व कुशल गुजरात को दिखाने का प्रयास किया गया।

झारखंड की झांकी का मुख्य आकर्षण बाबा बैद्यनाथ धाम की झलक रही। वहीं अरुणाचल प्रदेश की बात करें तो कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित हुई अरुणाचल प्रदेश की झांकी में यहां पर्यटन की संभावनाएं दर्शाई गई।

जम्मू-कश्मीर की झांकी की मुख्य थीम 'नया जम्मू कश्मीर' रही। केरल राज्य की झांकी का मुख्य शीर्षक नारी शक्ति था। पश्चिम बंगाल की झांकी की बात करें तो यहां कोलकाता में दुर्गा पूजा व यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का वर्णन झांकी में दिखाया गया।

महाराष्ट्र की झांकी साढ़े तीन शक्तिपीठ और नारी शक्ति पर आधारित रही। तमिलनाडु की झांकी में भी महिला सशक्तीकरण की झलक दिखाई दी, इसके साथ ही इसमें तमिलनाडु की संस्कृति को भी दिखाया गया है।

कर्नाटक की झांकी भी नारी शक्ति महोत्सव को दर्शाने वाली रही। हरियाणा की झांकी में कुरुक्षेत्र और वहां दिए गए गीता के ज्ञान 'अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' को दर्शाया गया। दादरा नगर हवेली और दमन तथा दीव की झांकियों में जनजातीय संस्कृति और विरासत का संरक्षण देखने को मिला। उत्तर प्रदेश की झांकी में दीपोत्सव और एक साथ लाखों दिए जलाने का रिकॉर्ड प्रदर्शित किया गया। यह झांकी अयोध्या दीपोत्सव पर आधारित थी।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की झांकी में अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 और इस पर भारत की पहल को दिखाया गया। यह झांकी बाजरा, ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाजों के महत्व को दर्शाती है। जनजातीय कार्य मंत्रालय की झांकी में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) को दिखाया गया। वहीं गृह मंत्रालय की झांकी में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 'संकल्प 75 – नशा मुक्त भारत' को दिखाया है। गृह मंत्रालय की ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की झांकी में नारी शक्ति को दिखाया गया है।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने अपनी झांकी में जैव विविधता संरक्षण को समझाने का प्रयास किया।

चारधाम यात्रा 2023 : 22 अप्रैल से खुलेंगे गंगोत्री यमुनोत्री के कपाट

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा 2023 का शंखनाद हो चुका है। चारोंधामों के कपाट खुलने की तिथियां घोषित हो रही हैं। गंगोत्री धाम के कपाट इस बार 22 अप्रैल को खुल रहे हैं। साथ ही यमुनोत्री धाम के कपाट भी 22 अप्रैल को ही खुलेंगे। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने धामों के कपाट खुलने की तिथियों की आज घोषणा की। इस तरह इस बार 22 अप्रैल से चारोंधामों के दर्शन के लिए तीर्थयात्री उत्तराखंड पहुंच जाएंगे।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम उत्तरकाशी जिले में स्थित हैं। गंगोत्री धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुल रहे हैं। गंगोत्री प्रमुख हिन्दू तीर्थस्थल है। गंगोत्री नगर से 19 किमी दूर गोमुख है, जो गंगोत्री हिमानी का अन्तिम छोर है और गंगा नदी का उद्गम स्थान है। गंगोत्री का गंगाजी मंदिर, समुद्र तल से 3042 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भागीरथी के दाहिने ओर का परिवेश अत्यंत आकर्षक एवं मनोहारी है। यह स्थान उत्तरकाशी से 100 किमी की दूरी पर स्थित है।

गंगा मैया के मंदिर का निर्माण गोरखा कमांडर अमर सिंह थापा द्वारा 18 वी शताब्दी के शुरूआत में किया गया था। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण जयपुर के राजघराने द्वारा किया गया था। प्रत्येक वर्ष मई से अक्टूबर के महीनो के बीच पतित पावनी गंगा मैया के दर्शन करने के लिए लाखो श्रद्धालु तीर्थयात्री यहां आते हैं। इस साल 22 अप्रैल को गंगोत्री के कपाट खुल रहे हैं। यमुनोत्री की ही तरह गंगोत्री का पतित पावन मंदिर भी अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर खुलता है और दीपावली के दिन मंदिर के कपाट बंद होते हैं।

वही, बसंत पंचमी के मौके पर बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित कर दी गई थी। इस साल बदरीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर खोले जाएंगे।

नक्सलियों का अभेद्य गढ़ रहे बूढ़ा पहाड़ पर पहली बार फहरा तिरंगा, सीएम ने 100 करोड़ का स्पेशल प्रोजेक्ट किया लांच

रांची (आरएनएस)। लगभग तीन दशकों तक माओवादी नक्सलियों का अभेद्य पनाहगाह रहे झारखंड के बूढ़ा पहाड़ पर आज पहली बार तिरंगा फहराया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को यहां तिरंगा फहराने के साथ ही इस पहाड़ और आसपास के 22 गांवों के विकास के लिए 100 करोड़ की विशेष परियोजना 'बूढ़ा पहाड़ डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' की लांचिंग की।

झारखंड और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित बूढ़ा पहाड़ को सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की ओर से संयुक्त रूप से चलाए गए 'ऑपरेशन डबल बुल' और 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' के तहत नक्सलियों के कब्जे से बीते सितंबर महीने में मुक्त कराया गया था। 55 वर्ग किलोमीटर में फैले और झारखंड के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के जंगलों से घिरे बूढ़ा पहाड़ पर पिछले 32 सालों से नक्सलियों का कब्जा था। सुरक्षा बलों द्वारा बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से आजाद कराने को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में उल्लेखनीय कदम बता चुके हैं।

शुक्रवार को घने जंगलों से घिरे इस पहाड़ पर बनाए गए अस्थाई हेलीपैड पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हेलीकॉप्टर उतरा तो वहां मौजूद ग्रामीणों ने तालियां बजाकर खुशी का इजहार किया। सोरेन यहां पहुंचने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। पहाड़ की चोटी पर तिरंगा फहराने के बाद मुख्यमंत्री ने यहां तैनात सुरक्षा बलों और पुलिस के जवानों के साथ संवाद किया और दुरूह अभियान की सफलता पर उन्हें बधाई दी। कहा कि आपके कठिन अभियान की बदौलत इस पूरे इलाके में अब शांति है।

सोरेन ने इसके बाद बूढ़ा पहाड़ की तराई में स्थित टेहरी पंचायत के ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने बूढ़ा पहाड़ डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत स्थानीय लोगों के बीच मिनी ट्रैक्टर, पंपसेट, बीज, कृषि संबंधी किट, राशन किट, फुटबॉल किट, साइकिल आदि का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने बूढ़ा पहाड़ की तराई में स्थित गांवों में सोलर विद्युतीकरण और पेयजलापूर्ति योजनाओं के साथ-साथ मनरेगा के तहत कूप निर्माण, दीदी बाड़ी, मेडबंधी निर्माण, समतलीकरण निर्माण, तालाब निर्माण मिट्टी मोरम पथ निर्माण, पोटो हो खेल मैदान, डोभा निर्माण, गाय एवं बकरी शेड निर्माण समेत कुल 106 योजनाओं की शुरूआत की।

ईडी ने टीडीएस धोखाधड़ी मामले में कुर्क की करीब 70 करोड़ रुपए की संपत्ति

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने 263 करोड़ रुपए के टीडीएस रिफंड को फर्जी तरीके से जारी करने के मामले में महाराष्ट्र और कर्नाटक में 69,65,99,720 रुपए की 32 अचल और चल संपत्ति कुर्क की है। तानाजी मंडल अधिकारी व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

जांच एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक कुर्क की गई इन संपत्तियों में जमीन, फ्लैट, लग्जरी कारें शामिल हैं, जो भूषण अनंत पाटिल, राजेश शेट्टी, सारिका शेट्टी, कृति वर्मा और अन्य के नाम पर हैं।

अधिकारी ने कहा, इससे पहले, विभिन्न संस्थाओं के 33 बैंक खातों में 96,23,47,885 रुपए की शेष राशि और 2.85 लाख रुपए की नकदी जब्त करने के मामले में पीएमएलए के तहत फ्रीजिंग आदेश भी जारी किए गए थे।

ईडी ने सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पीएमएलए के तहत जांच शुरू की।

संघीय जांच एजेंसी की प्राथमिकी अतिरिक्त महानिदेशक (सतर्कता) 4 सीबीडीटी की एक लिखित शिकायत के आधार पर थी, जिसमें मूल्यांकन वर्ष 2007-08 और 2008-09 के लिए फर्जी रिफंड जारी करने के बारे में बताया गया था।

यह आरोप लगाया गया था कि तानाजी मंडल अधिकारी, एक वरिष्ठ कर सहायक के रूप में काम करते हुए अपने पर्यवेक्षी अधिकारियों के आरएसए टोकन और लॉगिन क्रेडेंशियल्स तक पहुंच रखते थे। उसने कथित तौर पर दूसरों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। आरोपी ने धोखे से 263 करोड़ रुपए से अधिक का टीडीएस रिफंड जेनरेट किया और इसे एसबी एंटरप्राइजेज के बैंक खाते सहित विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया।

सीबीआई ने अधिकारी, पाटिल, राजेश शांताराम शेट्टी और अन्य के खिलाफ पीसी एक्ट की धारा 7 और 13 (2) आर/डब्ल्यू 13 (1) (ए) और आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत दंडनीय अपराधों के लिए चार्जशीट भी दायर की है।

जांच के दौरान, ईडी को पता चला कि 15.11.2019 और 04.11.2020 के बीच, तानाजी मंडल अधिकारी द्वारा 263,95,31,870 रुपए के 12 फर्जी टीडीएस रिफंड जेनरेट किए गए थे, जिन्हें एसबी एंटरप्राइजेज के खाते में धोखाधड़ी से जमा किया गया था। कार्रवाई (पीओसी) को बाद में भूषण अनंत पाटिल और अन्य संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं के बैंक खातों और शेल कंपनियों में भी स्थानांतरित कर दिया गया।

ईडी न आगे बताया, लोनावला, खंडाला, कर्जत, पुणे और उडुपी क्षेत्रों में भूमि के रूप में अचल संपत्तियां, पनवेल और मुंबई क्षेत्रों में फ्लैट और 3 लग्जरी कारों (बीएमडब्ल्यू एक्स7, मर्सिडीज जीएलएस400डी, ऑडी क्यू7) के रूप में चल संपत्ति का अधिग्रहण किया गया है।

इन संपत्तियों की पहचान होने पर पीएमएलए के तहत प्रोविजनल कुर्की आदेश जारी किया गया था, जिसमें कुल 69,65,99,720 रुपए की 32 संपत्तियों को कुर्क किया गया।

कुल 263 करोड़ रुपए के पीओसी में से 166 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। मामले में आगे की जांच जारी है।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव

छत्तीसगढ़ी और शास्त्रीय नृत्य के संगम से बनेगा उत्सव का माहौल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा युवा महोत्सव का आयोजन राजधानी रायपुर के साईंस कालेज मैदान में 28 जनवरी से किया जा रहा है। युवा महोत्सव के माध्यम से संपन्न व समृद्ध छत्तीसगढ़ को मंच पर दिखाने का प्रयास किया जाएगा। यहां की परंपरागत पकवान, वेशभूषा, खेल, नृत्य, गीत व तीज त्यौहारों का प्रदर्शन होगा। युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पकवानों से राजधानी रायपुर महक उठेगी। छत्तीसगढ़ी नृत्य के साथ शास्त्रीय नृत्य के संगम से युवा महोत्सव का माहौल उत्सव में बदल जायेगा। छत्तीसगढ़ी नृत्य में राउत नाचा, सुआ गीत, गेड़ी नाच, पंथीनृत्य, करमा नाच और बस्तरिया नृत्य तथा शास्त्रीय नृत्य में भरत नाट्यम, कत्थक, ओडिसी, कुचीपुड़ी और मणिपुरी नृत्य का संगम युवाओं मे जोश भर देगा। महोत्सव में आयोजित फुड फेस्टिवल में छत्तीसगढ़ में त्यौहारों के मौके पर बनाए जाने वाले चीला, चैसेला, फरा, मुठिया, ठेठरी, खुर्मी, गुजिया, पीडिय़ा, अईरसा, अनरईसा, अंगाकर रोटी, पूरी, सोंहारी, गुलगुला भजिया, मिर्ची भजिया आदि जैसे छत्तीसगढिय़ा व्यंजन की सुगंध महकेगी।

राज्यपाल ने राजधानी में आयोजित मुख्य समारोह में किया ध्वजारोहण

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल अनुसुईया उइके ने आज प्रदेश की राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय ध्वज एवं राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल उइके ने आसमान में उल्लास को प्रदर्शित करते तीन रंगों के गुब्बारे भी छोड़े। समारोह में लयबद्ध और आकर्षक परेड का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा छत्तीसगढ़ के विकास को दर्शाते आकर्षक झांकियां भी प्रदर्शित की गई। स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति तथा छत्तीसगढ़ी गानों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने समारोह के अंत में राज्य वीरता पुरस्कार प्राप्त बच्चों, केन्द्रीय व राज्य बलों की उत्कृष्ट परेड की टुकड़ी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा श्रेष्ठ विभागीय झांकियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अशोक जुनेजा और अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्ले, अपर मुख्य सचिव सुव्रत साहू उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के विकास को दर्शाते आकर्षक झांकियों का हुआ प्रदर्शन- उत्कृष्ट झांकियों को राज्यपाल ने किया पुरस्कृत, स्कूल शिक्षा विभाग को प्रथम, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को दूसरा तथा नगरीय प्रशासन और विकास विभाग को मिला तीसरा पुरस्कार गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में शासन के विभिन्न विभागों की विकासत्मक गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया।

राज्यपाल अनुसुईया उइके ने उकृष्ट झांकियों को पुरस्कृत किया और सभी विभागीय झांकियों की प्रशंसा की। समारोह में स्कूल शिक्षा विभाग को प्रथम, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को दूसरा तथा नगरीय प्रशासन और विकास विभाग को तीसरा पुरस्कार मिला है। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल की बढ़ती लोकप्रियता पर आधारित झांकी, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा आदिवासी नायकों के पराक्रम, योगदान तथा सोनाखान व भूमकाल विद्रोह पर आधारित झांकी प्रदर्शित की गई। तृतीय पुरस्कार प्राप्त नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा धनवंतरी मेडिकल स्टोर, हमर सरकार तुंहर द्वार तथा मितान कॉल सेंटर के बारे जानकारी देती हुई झांकी का प्रदर्शन किया गया।

समारोह में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, ऊर्जा, कृषि विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, स्कूल शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पशुधन विकास विभाग की झांकियां प्रदर्शित की गई।

राज्यपाल ने बच्चों को वीरता पुरस्कार से किया सम्मानित, बच्चों के साहसिक कार्य की सराहना की- गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राज्यपाल ने राज्य के वीर बालक-बालिकाओं को राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया और उनके साहस और सूझबूझ को सराहा। राज्यपाल के हाथों राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित होने वाले बच्चों में कांकेर की जम्बावती भुआर्य तथा महासमुंद की 18 वर्षीय छाया विश्वकर्मा शामिल है, जिन्हें उनके साहसिक कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया है।

गणतंत्र दिवस में प्रदर्शित उत्कृष्ट परेड को राज्यपाल ने किया पुरस्कृत - गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में विभिन्न केंद्रीय तथा राज्य बलों द्वारा परेड का प्रदर्शन किया गया। परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा की युवा अधिकारी पूजा कुमार ने किया।